
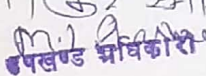


{General Rules (civil), Rule 103, Appendix 'B', From No. 9}

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, नवलगढ़

<p>श्री मगनसिंह पुत्र श्री किशनसिंह जाति राजपूत निवासी खेजड़ोलिया की ढाणी तन नवलड़ी तहसील नवलगढ़।</p>	<p>-बनाम-</p>	<p>श्री समद्रसिंह पुत्र श्री किशनसिंह वगैरह जाति राजपूत निवासी खेजड़ोलिया की ढाणी तन नवलड़ी तहसील नवलगढ़।</p>
<p>किस्म मुकदमा - प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा</p>		<p>मु.नं. 187/2019</p>
<p>आदेश</p>	<p>कार्यवाही विवरण</p>	<p>पालना के क्रमांक व दिनांक</p>
<p>06.11.2019</p>	<p>आज यह प्रार्थना पत्र प्रार्थी की ओर से श्री विप्लव पंडित एडवोकेट के द्वारा पेश किया गया। प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया गया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर हो। तलबी अप्रार्थी की जाकर पत्रावली आईन्दा दिनांक 05/12/2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी नवलगढ़ </p> <p> नवीन आवेदक एवं आवेदक द्वारा प्रेषित पत्रावली का अवलोकन करने पर पत्रावली की भाषा में त्रुटि पाई गई। नवीन आवेदक एवं आवेदक द्वारा प्रेषित पत्र में अंकित किया कि प्रार्थना पत्र में आवेदक का नाम चतुर् है। आवेदक एवं नवीन आवेदक ने पत्रावली के आदेशों पर नोट प्रेष कर प्रार्थना पत्र में चतुर् का नाम लिखवा किया। अतः पत्रावली नोट प्रेष के आधार पर प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर खारिज किया जाता है। पत्रावली केवल गुमाह बनकर ही प्रेषित हो तभी बाद तकमील जाफा दाखिल करवा हो। निर्णय आज सुबे न्यायालय में खनामा गया। </p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी नवलगढ़ </p>	<p>21.11.19</p> <p style="text-align: right;"> Not read 10/11/19 </p>

